सीबीएसई

सीसीई आदर्श प्रश्नपत्र–1

हिंदी : पाठ्यक्रम 'ब'

प्रथम सत्र (संकलित परीक्षा–I)

(हल सहित)

कक्षा : दसवीं

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 90*

सामान्य निर्देश : *(i) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं–'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।*

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

परिश्रम उन्नति का द्वार है। मनुष्य परिश्रम के सहारे ही जंगली अवस्था से वर्तमान विकसित अवस्था तक पहुँचा है। उसी के सहारे उसने अन्न, वस्त्र, घर, मकान, भवन, बाँध, पुल, सड़कें बनाईं। तकनीक का विकास किया, जिसके सहारे आज यह जगमगाती सभ्यता चल रही है। परिश्रम केवल शरीर की क्रियाओं का ही नाम नहीं है, मन तथा बुद्धि से किया गया परिश्रम भी परिश्रम कहलाता है। हर श्रम में बुद्धि तथा विवेक का पूरा योग रहता है। परिश्रम करने वाला मनुष्य सदा सुखी रहता है। परिश्रमी व्यक्ति का जीवन स्वाभिमान से पूर्ण होता है, वह स्वयं अपने भाग्य का निर्माता होता है। उसमें आत्म-विश्वास होता है। परिश्रमी किसी भी संकट को बहादुरी से झेलता है तथा उससे संघर्ष करता है। परिश्रम कामधेनु है जिससे मनुष्य की सब इच्छाएँ पूरी हो सकती हैं। मनुष्य को मरते दम तक परिश्रम का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। जो परिश्रम के वक्त इनकार करता है वह जीवन में पिछड़ जाता है।

1. वर्तमान विकसित अवस्था तक मनुष्य कैसे पहुँचा ?

(क) अन्न उपजा कर (ख) धन व बुद्धि के बल पर

(ग) परिश्रम करके (घ) सभ्य बन कर

2. मन और बुद्धि द्वारा किया जाने वाला कार्य कहलाता है _____।

(क) चतुराई (ख) विवेक

(ग) विश्राम (घ) परिश्रम

3. परिश्रम में शारीरिक क्रिया के साथ-साथ शामिल हैं _____।

(क) बड़ों का आशीर्वाद (ख) मित्रों का साथ

(ग) बल और विचार (घ) बुद्धि और विवेक

4. परिश्रम को 'कामधेनु' क्यों कहा गया है ?

(क) परिश्रमी गाय जैसे सीधे होते हैं। (ख) सारी इच्छाओं को दबाकर आगे बढ़ते हैं।

(ग) सारी परिस्थितियों को बदल देते हैं। (घ) सारी मनोकामनाएँ पूरी करते हैं।

5. कौन जीवन में पीछे रह जाता है ?

(क) जो धीरे चलता है। (ख) जो बिना सोचे तेज चलता है।

(ग) जो परिश्रम से इनकार करता है (घ) जो आत्मविश्वास का सहारा नहीं लेता।

उत्तर– 1. (ग) 2. (घ) 3. (घ) 4. (घ) 5. (ग)।

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– **(1 × 5 = 5)**

आधा-अधूरा ज्ञानी अपनी विद्वता का अधिक प्रदर्शन करता है। व्यावसायिक जगत में प्राय: ऐसे विद्वानों के उदाहरण मिलते हैं जिनमें ज्ञान, सामर्थ्य, धन, शक्ति आदि का अभाव है, परंतु उनमें दिखावे और अहंकार की भावना अधिक है। ऐसी विशेषताओं वाले व्यक्ति स्वयं को ऊँचा और महान दिखाने के लिए ज़ोर-शोर से अपने गुणों का प्रचार करते रहते हैं, परंतु जब कुछ कर दिखाने का समय आता है, तो सबसे पीछे खड़े होते हैं। ऐसे व्यक्ति समाज में अपनी छवि उस 'थोथे चने' की भाँति बना लेते हैं, जो बजता ही रहता है। अधूरा ज्ञानी अपनी हीनता का भाव छिपाने के लिए बार-बार ज्ञान का दंभ भरता है और समाज में उपहास का पात्र बनता है, जबकि जो पूर्ण रूप से ज्ञानी और सामर्थ्यवान है वह नम्र और संतुलित व्यवहार करता है। उसके व्यवहार से कहीं भी अहंकार का भाव नहीं छलकता है। किसी ने ठीक ही कहा है कि फल से युक्त वृक्षों की डालियाँ झुकी ही रहती हैं।

1. **कैसा व्यक्ति विद्वता का अधिक प्रदर्शन करता है ?**
   (क) झूठ बोलने वाला (ख) आधा-अधूरा ज्ञानी
   (ग) समय पर आने वाला (घ) पढ़ा-लिखा विद्वान
2. **'थोथा चना बाजे घना' का क्या अर्थ है ?**
   (क) खोखले चने को कोई नहीं खरीदता। (ख) कमज़ोर लोग शोर मचाते हैं।
   (ग) शोर करने से कमियाँ छिप जाती हैं। (घ) अज्ञानी अपने गुणों का बहुत प्रचार करते हैं।
3. **ज्ञानी व्यक्ति में कौन-सी विशेषताएँ होती हैं ?**
   (क) ज्ञान बघारने की (ख) असंतुलित व्यवहार करने की
   (ग) नम्र और संतुलित व्यवहार की (घ) बात-बात पर सच बोलने की
4. **वृक्षों की डालियाँ झुकी रहती हैं _____।**
   (क) घने पत्तों के कारण (ख) भारी होने के कारण
   (ग) घोंसलों के कारण (घ) फलों के कारण
5. **गद्यांश का सन्देश है _____।**
   (क) परिश्रम सबसे बड़ा गुण (ख) अहंकार और शक्ति
   (ग) अज्ञानी और अपूर्णता (घ) सामर्थ्य और विनम्रता

उत्तर– 1. (ख) 2. (घ) 3. (ग) 4. (घ) 5. (घ)।

अपठित काव्यांश

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– **(1 × 5 = 5)**

आज बरसों बाद उठी है इच्छा
हम कुछ कर दिखाएँ
एक अनोखा जश्न मनाएँ
अपना कोरा अस्तित्व जमाएँ
आज बरसों बाद सूखे पत्तों पर
वसंत ऋतु आई है
विचार रूपी कलियों पर
बहार खिल आई है
गहनता की फ़सल लहलहाई है
शायद इसी कारण

आज बरसों बाद
उठी है इच्छा हम कुछ कर दिखाएँ
अपना कोरा अस्तित्व जमाएँ।

1. कवि के मन में इच्छा उत्पन्न हुई है _____।
(क) कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य करने की (ख) मन से बातें करने की
(ग) खुशियाँ मनाने की (घ) अपनी पहचान बनाने की

2. 'सूखे पत्ते' प्रतीक हैं _____।
(क) पतझड़ के (ख) अकाल के
(ग) मन के सूनेपन के (घ) शुष्कता के

3. किन कलियों पर बहार का आगमन हुआ है ?
(क) भाव रूपी कलियों पर (ख) विचारों की कलियों पर
(ग) छोटी नई कलियों पर (घ) शुष्क कलियों पर

4. 'गहनता की फ़सल' से कवि का क्या आशय है ?
(क) विचारों में परिपक्वता (ख) अपना अस्तित्व
(ग) लहलहाती फ़सलें (घ) विचारों की गंभीरता

5. काव्यांश का उचित शीर्षक होगा _____।
(क) कुछ कर दिखाने की इच्छा (ख) कोरा अस्तित्व
(ग) इच्छा-शक्ति (घ) अनोखा जश्न

उत्तर– 1. (क) 2. (ग) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)।

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

आह, समय पर उनमें कितनी फलियाँ टूटीं!
कितनी सारी फलियाँ, कितनी प्यारी फलियाँ
यह, धरती कितना देती है! धरती माता
कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को!
न समझ पाया था मैं उसके महत्त्व को
बचपन में, छिः स्वार्थ लोभवश पैसे बोकर!
रत्न प्रसविनी है वसुधा, अब समझ सका हूँ!
इसमें सच्ची समता के दाने बोने हैं,
इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं,
जिससे उगल सके फिर धूल सुनहली फसलें
मानवता की-जीवन श्रम से हँसें, दिशाएँ।
हम जैसा बोएँगे वैसा ही पाएँगे।

1. 'धरती कितना देती है' का आशय है _____।
(क) बहुत कम देती है (ख) कितना देती है ?
(ग) बहुत अधिक देती है (घ) कुछ देती ही कहाँ है ?

2. कवि किसका महत्त्व नहीं समझ पाया था ?
(क) माँ का (ख) धरती माँ का
(ग) परिश्रम का (घ) बचपन का

3. कवि ने बचपन में किस भाव से पैसे बोए थे ?

(क) निःस्वार्थ भाव से (ख) सोच-विचार से

(ग) स्वार्थ एवं लोभ से (घ) लोभ और मोह से

4. मानवता की सुनहली फसलें कब उगेंगी ?

(क) जब हम परिश्रम करेंगे। (ख) जब समता और क्षमता के बीज बोए जाएँगे।

(ग) जब चारों ओर शांति होगी। (घ) जब धूल सोना उगलेगी।

5. इस काव्यांश में किस लोकोक्ति की समानार्थी लोकोक्ति का प्रयोग किया गया है ?

(क) खरी मजूरी चोखा काम (ख) अपना हाथ जगन्नाथ

(ग) जैसा करोगे वैसा भरोगे (घ) अपनी करनी पार उतरनी

उत्तर– 1. (ग) 2. (ख) 3. (घ) 4. (ख) 5. (ग)।

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 5. (क) शब्द कब पद बनता है ? उदाहरण सहित समझाइए। (1 × 4 = 4)

(ख) 'हमें हर्षित जैसा मानव बनना चाहिए।'–वाक्य में से संज्ञा पद छाँटकर लिखिए।

(ग) प्यास बुझाने वाला पनघट आज सुनसान है। रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए।

(घ) प्यास का मारा कौवा घड़े पर बैठ गया। रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए।

उत्तर– (क) शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त हो जाता है तब वह पद बन जाता है। जैसे–'पढ़' शब्द है, वह वाक्य में प्रयुक्त होकर पद बन गया है–मैं पढ़ता हूँ।

(ख) हर्षित, मानव

(ग) संज्ञा पदबंध

(घ) विशेषण पदबंध

प्रश्न 6. (क) मैं गत वर्ष तुम्हें कन्याकुमारी में मिला था। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। (1 × 4 = 4)

(ख) प्रकाश रामेश्वरजी का होनहार पुत्र था। रेखांकित पद का परिचय लिखिए।

(ग) मेरी छोटी बहन कल मुंबई गई। रेखांकित पद का परिचय लिखिए।

(घ) जो परिश्रम करता है, उसे सफलता अवश्य मिलती है। रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

उत्तर– (क) कन्याकुमारी में–व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।

(ख) पुत्र–जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग

(ग) मेरी–सार्वनामिक विशेषण 'बहन' विशेष्य का विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(घ) मिश्रवाक्य।

प्रश्न 7. (क) वह मुझसे पढ़ने के लिए कहता है। मिश्रित वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)

(ख) सामने मैदान में दो लड़के गेंद खेल रहे हैं। संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संधि-विच्छेद कीजिए– (2)

परोपकार, दशानन, रमेश

उत्तर– (क) वह मुझसे कहता है कि पढ़ा करो।

(ख) सामने मैदान है और उसमें दो लड़के गेंद खेल रहे हैं।

(ग) संधि-विच्छेद–

परोपकार = पर + उपकार

दशानन = दश + आनन

रमेश = रमा + ईश

प्रश्न 8. (क) 'प्रति + एक' की संधि कीजिए। (1)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्तपदों का विग्रह कर भेद का नाम लिखिए– (2)
राजपुत्र, सेनापति, नीलकमल, प्रधानाध्यापक

(ग) 'कमल के समान नयन' का समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए। (1)

उत्तर– (क) प्रत्येक

(ख) राजपुत्र – राजा का पुत्र – तत्पुरुष समास
सेनापति – सेना का पति – तत्पुरुष समास
नीलकमल – नीले रंग का कमल – कर्मधारय समास
प्रधानाध्यापक – प्रधान है जो अध्यापक – कर्मधारय समास

(ग) कमलनयन – कर्मधारय समास

प्रश्न 9. निम्नलिखित मुहावरे एवं लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए– (1 + 1 = 2)

(क) (*i*) चंपत हो जाना (*ii*) लोहे के चने चबाना
(*iii*) अधजल गगरी छलकत जाए (*iv*) थोथा चना बाजे घना

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे अथवा लोकोक्ति द्वारा कीजिए– (1 + 1 = 2)

(*i*) जब तक मनुष्य पर जिम्मेदारी नहीं आती, तब तक उसे आटे _____ पता नहीं चलता।

(*ii*) कल मेरी माताजी ने पुराने कपड़ों के बदले स्टील के नए बरतन लिए। इसी को तो कहते हैं, आम _____।

उत्तर– (क) (*i*) चोर सारा माल चुराकर चंपत हो गए।

(*ii*) ऐसी बड़ी नौकरी को पाने के लिए लोहे के चने चबाने पड़ते हैं।

(*iii*) तुमने दो-चार श्लोक क्या याद कर लिए, स्वयं को पंडित समझने लगे हो। इसी को कहते हैं–अधजल गगरी छलकत जाए।

(*iv*) तुम्हारी एक छोटी-सी लॉटरी क्या खुल गई, स्वयं उसका ढोल पीटते फिर रहे हो। तुम्हारी दशा तो थोथा चना बाजे घना वाली है।

(ख) (*i*) दाल का भाव।

(*ii*) के आम गुठलियों के दाम।

खंड 'ग'

पाठ्यपुस्तकें

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1 × 5 = 5)

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
– जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल!

1. प्रस्तुत काव्यांश में किसका वर्णन किया गया है ?
   (क) पर्वत की करधनी का (ख) तालाब में उग रहे फूलों का
   (ग) वर्षा ऋतु में लबालब भरे तालाब का (घ) वर्षा ऋतु में पर्वत के सौंदर्य का
2. प्रकृति का रूप पल-पल परिवर्तित हो रहा है _____।
   (क) पहाड़ पर उगे हजारों फूलों के कारण (ख) वर्षा ऋतु और बादलों के कारण
   (ग) पहाड़ के नीचे बने तालाब के कारण (घ) पर्वत प्रदेश में ऐसा ही होता है
3. पर्वत जल में अपनी छवि किसके माध्यम से अवलोक रहा है ?
   (क) पक्षियों के माध्यम से (ख) बादलों के माध्यम से
   (ग) पेड़ों के माध्यम से (घ) फूल रूपी हजारों आँखों के माध्यम से
4. पर्वत के चरणों में पला ताल प्रतीत हो रहा है।
   (क) करधनी-सा (ख) दर्पण-सा
   (ग) शीशे-सा (घ) काँच-सा
5. 'मेखलाकार पर्वत अपार'–का अर्थ है _____।
   (क) करधनी के समान पर्वत शृंखला (ख) गोलाकार बड़ा पहाड़
   (ग) बहुत ऊँचा पहाड़ (घ) तालाब में झाँकता विशाल पर्वत

उत्तर– 1. (घ) 2. (ख) 3. (घ) 4. (ख) 5. (क)।

अथवा

अब तो बहरहाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप
कभी-कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं
खास कर गौरैयें
वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

1. छोटे बच्चे वर्तमान में तोप का प्रयोग किस रूप में कर रहे हैं ?
   (क) उसे छूकर देखते हैं। (ख) उस पर चढ़कर घुड़सवारी करते हैं।
   (ग) उस पर बैठी गौरैया को उड़ाते हैं। (घ) उस पर लिखी इबारत पढ़ते हैं।
2. चिड़ियों की गपशप से क्या आशय है ?
   (क) चिड़ियाँ चहचहाती रहती हैं। (ख) तोप अब पक्षियों की विश्राम-स्थली बन चुकी है।
   (ग) चिड़ियाँ सैलानियों की बातें सुनती हैं। (घ) चिड़ियाँ बच्चों के साथ खेलती हैं।
3. 'उसका मुँह बंद' होने से तात्पर्य है _____।
   (क) तोप अब आग नहीं उगलती (ख) तोप अब खराब हो चुकी है
   (ग) तोप के भीतर चिड़ियाँ रहती हैं (घ) तोप अब पड़ी ही रहती है
4. कौन-सा कथन काव्यांश के मूल भाव के बारे में नहीं है ?
   (क) आतंक, विध्वंस, संहार को शांत होना ही पड़ता है।
   (ख) अत्याचारी को हिंसा छोड़नी ही पड़ती है।
   (ग) बंदूक के बल पर टिकी सत्ता स्थायी नहीं होती।
   (घ) अब हमारा देश पूर्णतः स्वतंत्र है।

5. 'घुड़सवारी से फारिग हो'— का अर्थ है _____।

(क) जब तोप पर कोई न हो (ख) जब बच्चे तोप पर बैठे हों

(ग) जब बच्चे तोप पर सवारी नहीं करते (घ) जब बच्चे तोप पर बैठकर घुड़सवारी नहीं करते

उत्तर— 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (घ) 5. (घ)।

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए— (3 + 3 = 6)

(क) 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर छोटे भाई की क्या छवि उभरकर आती है ? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर छोटे भाई की जो छवि उभरकर आती है, वह इस प्रकार है—

छोटा भाई पढ़ाई में कम मेहनत करके भी परीक्षा में अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण हो जाता है। उसका मन पढ़ाई में कम लगता है और खेल-कूद में ज्यादा। वह मौका पाकर हॉस्टल से निकलकर खूब शरारत करता है। बड़े भाई साहब के फेल होने पर वह उनका मज़ाक उड़ाना चाहता है, पर उनको उदास देखकर चुप रह जाता है। वैसे वह बड़े भाई की सलाह को अंत में स्वीकार कर लेता है।

(ख) 'तीसरी कसम' एक महान फिल्म थी। सिद्ध कीजिए।

उत्तर—निश्चय ही 'तीसरी कसम' एक महान फिल्म थी। यह शैलेंद्र के जीवन की पहली और अंतिम फिल्म थी। इस फिल्म में शैलेंद्र की संवेदनशीलता पूरी शिद्दत के साथ मौजूद है। इस फिल्म को 'सैल्यूलाइड पर लिखी कविता' कहना बिल्कुल सटीक है। इस फिल्म में राजकपूर और वहीदा रहमान ने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ अभिनय कर इसे महान बना दिया है। इस फिल्म का संगीत इतना उच्च कोटि का है कि इसने फिल्म को अमर बना दिया है। यह फिल्म लोक तत्त्व का समावेश किए हुए है। इस फिल्म में दुख को सहजता के साथ चित्रित किया गया है। भावप्रवणता की दृष्टि से भी यह फिल्म महान है।

(ग) लोग तताँरा के करीब रहना क्यों पसंद करते थे एवं उसकी तलवार के बारे में क्या प्रचलित था ?

उत्तर—लोग तताँरा के करीब इसलिए रहना चाहते थे क्योंकि वह एक आकर्षक व्यक्तित्व का धनी था। उसमें त्याग भावना थी। मुसीबत के समय में वह लोगों के पास भागा-भागा पहुँच जाता था। वह एक नेक और मददगार व्यक्ति था।

तताँरा अपनी परम्परागत पोशाक के साथ अपनी कमर में सदैव लकड़ी की एक तलवार बाँधे रहता था। लोगों का मत था कि उसकी इस तलवार में दैवीय शक्ति थी। वह इस तलवार को कभी अलग नहीं होने देता था। लोग तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे।

प्रश्न 12. स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व देशवासियों की जो भावनाएँ देश के प्रति थीं, आज उनमें क्या परिवर्तन आया है ? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए। (5)

उत्तर—स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व देशवासियों में देश को अंग्रेजों से मुक्त कराने की भावनाएँ थीं। वे देश के मान-सम्मान की रक्षा के लिए कोई भी बलिदान देने को तत्पर रहते थे। तब वे पुलिस व उसके डंडों से घबराते नहीं थे। ब्रिटिश राज के काले कानूनों को भंग करना उनके लिए सामान्य सी बात थी। वे जुलूस निकालकर अपना विरोध प्रकट करते थे और जेल जाने से भी नहीं घबराते थे।

आज जब हमारा देश स्वतंत्र हो चुका है तब देशवासियों के मन में त्याग और बलिदान की भावना थोड़ी धीमी पड़ गई है। अब लोगों पर स्वार्थपरता हावी है। अब नेताओं में भी आदर्श प्रस्तुत करने का भाव नहीं रह गया है। वे भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं।

अथवा

'बड़े भाई साहब' कहानी के आधार पर छोटे भाई का चरित्र-चित्रण उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर—1. छोटा भाई बड़े भाई से पाँच साल छोटा है। छोटे भाई की उम्र नौ साल है।

2. छोटे भाई का मन पढ़ने-लिखने में नहीं लगता। किताब लेकर पढ़ना उसके लिए पहाड़ के समान है।

3. छोटा भाई खेल प्रेमी है। वह कभी कंकरियाँ उछालता है, कभी कागज की तितलियाँ उड़ाता है, कभी चारदीवारी पर चढ़ जाता है।

4. छोटा भाई संवेदनशील है। वह बड़े भाई को लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता है। वह कभी घर लौट जाने के बारे में सोचने लगता है।

5. छोटा भाई चंचल-चित्त है। वह अपनी दिनचर्या का टाइम टेबल तो बनाता है, पर उसका पालन नहीं कर पाता।

6. उसमें एक विशेषता है कि वह कुशाग्रबुद्धि है जिससे कभी फेल नहीं होता। वह हर कक्षा में पास होता चला जाता है जबकि बड़ा भाई कई बार फेल हो जाता है।

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

फिर सालाना इम्तिहान हुआ और कुछ ऐसा संयोग हुआ कि मैं फिर पास हुआ और भाई साहब फिर फेल हो गए। मैंने बहुत मेहनत नहीं की, पर न जाने कैसे दरजे में अव्वल आ गया। मुझे खुद अचरज हुआ। भाई साहब ने प्राणांतक परिश्रम किया। कोर्स का एक-एक शब्द चाट गए थे, दस बजे रात तक इधर, चार बजे भोर से उधर, छः से साढ़े नौ तक स्कूल जाने से पहले। मुद्रा कांतिहीन हो गई थी, मगर बेचारे फेल हो गए। मुझे उन पर दया आती थी। नतीजा सुनाया गया, तो वह रो पड़े और मैं भी रोने लगा। अपने पास होने की खुशी आधी हो गई। मैं भी फेल हो गया होता, तो भाई साहब को इतना दुख न होता, लेकिन विधि की बात कौन टाले!

(क) सालाना इम्तिहान का क्या परिणाम निकला ? (1)

(ख) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए बड़े भाई साहब ने क्या-क्या प्रयास किए ? (2)

(ग) छोटे भाई की खुशी आधी क्यों रह गई ? (2)

उत्तर–(क) सालाना इम्तिहान में छोटा भाई तो पास हो गया पर बड़े भाई साहब फिर फेल हो गए।

(ख) बड़े भाई साहब ने परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए बहुत कठोर परिश्रम किया। वे कोर्स का एक-एक शब्द चाट गए। वे सुबह से रात देर तक पढ़ते थे। इससे उनकी मुद्रा क्रांतिहीन हो गई थी।

(ग) छोटे भाई की सफलता की खुशी इसलिए आधी रह गई क्योंकि बड़े भाई साहब फेल हो गए थे। इससे वे इतने दुखी हो गए कि रो पड़े। उनकी दशा देखकर छोटा भाई भी रोने लगा। वह भाई साहब का दुख देख नहीं पा रहा था।

अथवा

जब से कानून भंग का काम शुरू हुआ है, तब से आज तक इतनी बड़ी सभा ऐसे मैदान में नहीं की गई थी और यह सभा तो कहना चाहिए कि ओपन लड़ाई थी। पुलिस कमिश्नर का नोटिस निकल चुका था कि अमुक-अमुक धारा के अनुसार कोई सभा नहीं हो सकती। जो लोग काम करने वाले थे, उन सबको इंस्पेक्टरों के द्वारा नोटिस और सूचना दे दी गई थी कि आप यदि सभा में भाग लेंगे तो दोषी समझे जाएँगे। इधर कौंसिल की तरफ से नोटिस निकल गया था कि मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। सर्वसाधारण की उपस्थिति होनी चाहिए। खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी।

(क) सभा की क्या विशेषता थी ? (1)

(ख) पुलिस कमिश्नर की ओर से क्या नोटिस निकाला गया ? (2)

(ग) गद्यांश के आधार पर स्वतंत्रता सेनानियों के दो गुण उजागर कीजिए। (2)

उत्तर–(क) सभा की यह विशेषता थी कि जब से कानून भंग का काम शुरू हुआ तबसे यह सबसे बड़ी सभा थी। इसे मैदान में किया गया था।

(ख) पुलिस कमिश्नर की ओर से यह नोटिस निकाला गया था कि अमुक-अमुक धारा के अनुसार कोई सभा नहीं हो सकती। इस सभा में भाग लेने वाले दोषी समझे जाएँगे।

(ग) गद्यांश के आधार पर स्वतंत्रता सेनानियों के दो गुण–

1. स्वतंत्रता सेनानी निडर थे। वे किसी से डरते नहीं थे।

2. वे अपने निश्चय पर दृढ़ रहने वाले थे। उन्होंने निश्चित समय और नियत स्थान पर झंडा फहराया।

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए– (3 + 3 + 3 = 9)

(क) अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है ?

उत्तर–अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने यह उपाय बताया है कि अपने निकट अपने निंदक को रखिए। उसे घर के आँगन में ही बसा लो। वह निंदक तुम्हारे अवगुणों को बताएगा और तुम उन अवगुणों को दूर करके अपने स्वभाव को निर्मल बना लोगे। बिना साबुन-पानी के ही तुम्हारा स्वभाव निर्मल (पवित्र) हो जाएगा। निंदा के भय से हम गलत काम करने से कतराएंगे। निंदा की तलवार हम पर सदा लटकती रहेगी।

(ख) मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने के लिए कई उदाहरणों के माध्यम से विनती की है। श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की पीड़ा हरने के लिए उसका चीर बढ़ाया, भक्त प्रह्लाद की पीड़ा हरने के लिए नरहरि का रूप धारण किया, डूबते गजराज को बचाया और उसकी पीड़ा दूर की। इसी प्रकार मीरा कृष्ण से अपनी पीड़ा का भी हरण करवाना चाहती है।

(ग) 'सहस्र दृग-सुमन' से क्या तात्पर्य है ? कवि ने 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा ?

उत्तर–'सहस्र दृग सुमन' से कवि का तात्पर्य है–पर्वत अपने फूल रूपी नेत्रों से नीचे तालाब के जल में अपने महाकार को देखता प्रतीत होता है। इस कविता में पर्वत के चरणों में तालाब का निरूपण है जिसका जल दर्पण का काम कर रहा है। कवि पर्वत का मानवीकरण करता है। फूलों को उसके नेत्र बताता है। पर्वत इन्हीं नेत्रों से जल में अपनी विशाल परछाई देखता है। वह नेत्र फाड़-फाड़ कर देख रहा प्रतीत होता है।

(घ) 'तोप' कविता में तोप अपने बारे में भूतकाल और वर्तमान संबंधी क्या जानकारी देती है ?

उत्तर–'तोप' कविता में तोप अपने भूतकाल और वर्तमान काल के बारे में काफी जानकारी देती है। तोप बताती है कि उसने भूतकाल में बड़े-बड़े सूरमाओं के धज्जे उड़ा दिए थे। तब वह बड़ी जबर थी। उसकी बड़ी धाक थी। वर्तमानकाल में तो एक शो-पीस बनकर रह गई है। लोग इसे देखने आते हैं। बच्चे इस पर घुड़सवारी करते हैं। चिड़िया-गौरैयाँ उसके अंदर घुस जाती हैं। उसे साल में दो बार चमकाया जाता है।

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3 + 3 = 6)

(क) महंत जी ने हरिहर काका को एकांत कमरे में बैठाकर प्रेम से क्या समझाया ? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर–जब हरिहर काका घर की बहुओं पर नाराज़ होकर घर से बाहर निकले तब उन्हें महंत जी मिल गए। वे काका को ठाकुरबारी ले गए। वहाँ एकांत कमरे में बैठाकर प्रेमपूर्वक समझाने लगे–हरिहर! यहाँ कोई किसी का नहीं है। सब माया का बंधन है। तू तो धार्मिक प्रवृत्ति का आदमी है। अपना ध्यान ईश्वर भक्ति में लगाओ। जिस दिन तुम्हारे भाइयों को लगेगा कि तुमसे उनका स्वार्थ सधने वाला नहीं है, उस दिन वे तुम्हें पूछेंगे तक नहीं। तुम अपने हिस्से के खेत ठाकुरजी के नाम लिख दो। सीधे बैकुंठ प्राप्त करोगे। तीनों लोकों में तुम्हारी कीर्ति जगमगा उठेगी। अपनी शेष जिंदगी तुम इसी ठाकुर बारी में गुजारना, तुम्हें किसी चीज की कमी नहीं होगी। तुम्हारा यह लोक और परलोक दोनों सुधर जाएंगे।

(ख) मृत्यु उपरांत हरिहर काका को अग्नि प्रदान करने के संबंध में क्या अफवाह फैली थी ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–गाँव में हरिहर काका को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलती रहती थीं। उनकी मृत्यु की संभावना पर अफवाह फैली कि जब हरिहर काका मरेंगे तो उन्हें अग्नि प्रदान करने के लिए ठाकुरबारी के साधु-संतों और काका के भाइयों के बीच काफी लड़ाई होगी। दोनों ओर से अग्नि प्रदान करने का निश्चय हो चुका है। इस संदर्भ में उनकी लाश हस्तगत करने के लिए खून की नदी बहेगी।

(ग) हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे ? उन्होंने उनके साथ कैसा वर्ताव किया ?

उत्तर–हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले ठाकुरबारी के महंत के भिजवाए हुए आदमी थे। वे ठाकुरबारी के साधु-संत और महंत के पक्षधर थे। वे लोग भाला, गंडासा और बंदूक से लैस होकर हरिहर काका के दालान में आधी रात को आ धमके और हरिहर काका को अपनी पीठ पर लादकर चंपत हो गए। उन लोगों ने हरिहर काका के साथ बुरा व्यवहार किया। उन्होंने उनसे जबरन जमीन के कागजों पर अँगूठे के निशान लगवाए। फिर उनको मुँह में कपड़ा ठूँसकर, रस्सी से बाँधकर, अनाज के गोदाम में बंद कर दिया।

मूल्य आधारित प्रश्न

प्रश्न 16. समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है ? 'हरिहर काका' कहानी में रिश्तों का कौन-सा स्वरूप उभरकर सामने आया है ? अपने विचार प्रकट कीजिए। (4)

उत्तर–समाज में रिश्तों की बहुत अहमियत है। रिश्तों से ही व्यक्ति समाज में मान-सम्मान पाता है। अपने-पराए की पहचान रिश्तों के कारण ही होती है। रिश्तों के कारण ही व्यक्ति की समाज में विशेष भूमिका निर्धारित होती है। रिश्ते ही सुख-दुख में काम आते हैं। वैसे अब के बदलते दौर में रिश्तों पर भी स्वार्थ की भावना हावी होती जा रही है जो दुखद है। 'हरिहर काका' कहानी में रिश्तों का जो स्वरूप उभरकर सामने आया है, वह कोई सुखद नहीं है।

हरिहर काका के तीन भाई, उनकी पत्नियाँ तथा उनके बच्चे हैं। हरिहर काका के पास पंद्रह बीघे जमीन है, जिस पर महंत के साथ-साथ भाइयों की भी निगाह है। इसी लोभ में वे काका की सेवा करने का ढोंग करते हैं। हरिहर काका को रूखा-सूखा भोजन दिया जाता है। उन्हें घर का सदस्य न समझकर एक दुधारू गाय माना जाता है। भाइयों की पत्नियाँ रिश्ते की अहमियत नहीं समझतीं। भाई भी उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं। वे उनका मान-सम्मान नहीं करते।

अथवा

यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी किस प्रकार मदद करेंगे ?

उत्तर–यदि हमारे आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई होगा तो हम उसकी हर संभव मदद करेंगे, जैसे–

– हम उसके पास बैठकर उससे बातें करेंगे ताकि उसे अकेलेपन का अहसास न हो।
– हम उसके खाने-पीने की व्यवस्था को देखकर यदि आवश्यक हुआ तो अपने पास से उसे खाने को कुछ देंगे।
– हम उसके घरवालों को समझाएँगे ताकि वे अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक बन सकें।
– हम उसके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेते रहेंगे तथा उसे डॉक्टर तक ले जाएँगे।
– हम उसकी सुरक्षा की व्यवस्था करेंगे। इसके लिए स्थानीय पुलिस से भी संपर्क करेंगे।
– हम उसे एकाकी जीवन नहीं जीने देंगे।

खंड 'घ'
लेखन

प्रश्न 17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) **ज़हरीले धुएँ में डूबा शहर**
- ज़हरीले धुएँ का तात्पर्य
- धुआँ कहाँ से, क्यों
- प्रभाव और समाधान

(ख) **खो गया है मासूम बचपन**
- कम उम्र में पढ़ाई का बोझ
- माता-पिता की इच्छाओं का दबाव
- खेलने के लिए समय का अभाव

(ग) **विज्ञान का मिला जब आधार : सुखी हुआ तब संसार**
- जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान
- दैनिक जीवन में उपयोग
- विज्ञान के द्वारा प्राप्त विभिन्न सुख-सुविधाएँ

उत्तर– **(क) ज़हरीले धुएँ में डूबा शहर**

ज़हरीले धुएँ का तात्पर्य है–कल-कारखानों की चिमनियों और वाहनों से निकलने वाला वह धुआँ, जो वातावरण में ज़हर बनकर घुल जाता है। जब हम ऐसे विषाक्त वातावरण में साँस लेते हैं तब वह ज़हरीला धुआँ हमारे फेफड़ों में चला जाता है।

और हमें बीमार कर देता है। वायु-प्रदूषण के कारण यह ज़हरीला धुआँ शहरों को अपने में डुबो रहा है। दिल्ली शहर भी इस ज़हरीले धुएँ की गिरफ्त में है। इस ज़हरीले धुएँ ने शहर के वातावरण इतना विषाक्त बना दिया है कि साँस लेना तक दूभर हो गया है। यह विषाक्त धुआँ कारखानों की चिमनियों और पुराने वाहनों से निकलता है। इसका दुष्प्रभाव सारे वातावरण पर पड़ रहा है। शहरी नागरिक साँस रोगों से जूझ रहे हैं, दिल के रोग भी बढ़ रहे हैं। इस पर तुरंत प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। कारखानों को शहर की सीमा से बाहर भेजा जाना चाहिए तथा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

(ख) खो गया है मासूम बचपन

आज के भौतिकतावादी युग में मासूम बच्चों का बचपन खो गया है। माता-पिता बहुत कम उम्र (2-2½ वर्ष) में बच्चों को स्कूल में दाखिल कराकर उन पर पढ़ाई का बोझ डाल देते हैं। मनोविज्ञान कहता है कि पाँच-छह वर्ष से पूर्व बच्चे को पूरी तरह से पढ़ाई के बोझ से मुक्त रखा जाना चाहिए। कम उम्र में उन पर पढ़ाई का बोझ डालकर उनके स्वाभाविक विकास को रोक दिया जाता है। माता-पिता अपनी इच्छाओं का दबाव बच्चों पर डालते हैं। यह उम्र उनके खेलने की होती है। माँ-बाप उनको इस अवसर से वंचित करके उनके साथ भारी अन्याय करते हैं। स्कूल में जाकर बच्चा मानसिक दबाव में आ जाता है। इस चक्कर में उनका बचपन कहीं खो जाता है। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना चाहिए।

(ग) विज्ञान का मिला जब आधार : सुखी हुआ तब संसार

आज का युग विज्ञान का युग है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान का समावेश हो चुका है। विज्ञान के चमत्कारी आविष्कारों के कारण हमारा जीवन बहुत सुखी और आरामदायक हो गया है। प्रातःकाल उठने से लेकर रात्रि सोने तक हमारी सभी गतिविधियों में विज्ञान की सक्रिय भूमिका रहती है। विज्ञान ने बिजली का आविष्कार करके हम पर बहुत कृपा की है। यह बिजली हमारे दैनिक उपयोग के सभी उपकरणों को चलाती है। हम घर में ही गर्मी-सर्दी का अनुभव कर लेते हैं। विज्ञान ने कम्प्यूटर और इंटरनेट का आविष्कार करके हमारी अनेक समस्याओं को सहज ही हल कर दिया है। विज्ञान ने मनोरंजन के क्षेत्र में भी क्रांति ला दी है। चिकित्सा के क्षेत्र में तो विज्ञान ने चमत्कार ही कर दिखाया है। यातायात की सुविधाओं में भी विज्ञान का हाथ है।

प्रश्न 18. पढ़ाई का सत्र आरंभ हो चुका है किंतु बाज़ार में पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। इस समस्या को उठाते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। (5)

उत्तर–

सेवा में
संपादक महोदय
नवभारत टाइम्स
नई दिल्ली

मान्यवर,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से शिक्षा विभाग का ध्यान पाठ्यपुस्तकों के अनुपलब्धता की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। आशा है जनहित में आप मेरा पत्र अवश्य प्रकाशित करेंगे।

पढ़ाई का नया शिक्षा सत्र आरंभ हुए एक मास बीत गया है, पर अभी तक एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित पाठ्यपुस्तकें बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। यह प्रकाशन संस्था दावे तो लंबे-चौड़े करती है, पर वास्तविकता कुछ और ही है। इस संस्था को विद्यार्थियों की संख्या पता होती है, पर पूरी मात्रा में पुस्तकें प्रकाशित न करने में कुछ अधिकारियों की प्राइवेट पब्लिशरों के साथ मिलीभगत रहती है। पाठ्यपुस्तकों के अभाव का फायदा ये पब्लिशर बखूबी उठा रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा, बल्कि हर वर्ष कृत्रिम अभाव की स्थिति उत्पन्न की जाती है।

शिक्षा विभाग इस ओर से आँखें मूँदे बैठा रहता है। इस पत्र के माध्यम से मैं शिक्षा विभाग के अधिकारियों का ध्यान इस समस्या को हल करने के लिए दिलाना चाहता हूँ। वे शीघ्र ही आवश्यक कदम उठाएँ ताकि विद्यार्थियों को समय पर पुस्तकें उपलब्ध हो सकें।

सधन्यवाद,
भवदीय
उमेश सहगल
संयोजक
विद्यार्थी हितकारी संघ, नई दिल्ली
दिनांक.....

अथवा

सर्वशिक्षा अभियान के प्रोत्साहन हेतु विद्यालय में रात्रिकालीन प्रौढ़-शिक्षा की व्यवस्था करवाने हेतु अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

उत्तर–

सेवा में
प्रधानाचार्य
राजकीय बाल विद्यालय
रघुवीर नगर, नई दिल्ली।

विषय–सर्वशिक्षा अभियान के प्रोत्साहन हेतु रात्रिकालीन प्रौढ़-शिक्षा की व्यवस्था हेतु अनुमति।

महोदय

सविनय निवेदन है कि भारत सरकार ने प्रौढ़ शिक्षा अभियान चला रखा है। हमारी संस्था इस कार्य में सक्रिय रूप से भाग ले रही है। हम रघुबीर नगर क्षेत्र में अनपढ़ों के लिए रात्रिकालीन प्रौढ़ शिक्षा की कक्षाएँ चलाना चाहते हैं। इसके लिए हमारे पास अध्यापकों एवं पाठ्यसामग्री की पूरी व्यवस्था है। इन कक्षाओं को चलाने के लिए उपयुक्त स्थान आपका स्कूल प्रतीत होता है। प्रारंभ में हमें केवल दो कमरों की आवश्यकता होगी। प्रौढ़ शिक्षा की कक्षाएँ रात्रि सात बजे से नौ बजे तक चलेगी। इनमें अनुशासन बनाए रखने की जिम्मेदारी हमारी संस्था की ही रहेगी।

आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप हमें इन कक्षाओं को अपने स्कूल में चलाने की अनुमति प्रदान करें। इसके लिए आवश्यक व्यवस्था भी कराने की कृपा करें।

सधन्यवाद,
भवदीय
उमाकांत शर्मा
संयोजक, सर्वशिक्षा अभियान (पश्चिमी क्षेत्र)
नई दिल्ली।
दिनांक.....